क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 262, बुधवार, 17 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ऑनलाइन साइटों पर परोसी जा रही अश्लीलता के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली। कई ऑनलाइन साइटों पर अश्लीलता परोसे जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता ने इसे असंवैधानिक बताते हुए नीति निर्धारण की मांग की है और जो अश्लील शब्द या चित्र परोसे गए हैं, उसे तुरंत हटाने की मांग की है। न्यायालय इस पर 14 नवम्बर को सुनवाई करेगा। यह याचिका जस्टिस फॉर राइट ने अपने अध्यक्ष सत्यम सिंह के माध्यम से दाखिल की है। उसके अधिवक्ता हरप्रीत सिंह होरा ने कहा है कि ऑनलाइन साइटों पर कई अश्लील शब्द व चित्र होते हैं जो आपत्तिजनक हैं। साथ ही कई धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचाने वाला भी होता है। उस पर प्रतिबंध लगाया जाना जरूरी है। क्योंकि यह सब कई भारतीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है। उनसभी ऑनलाइन साइटों पर तुरंत प्रतिबंध लगाया जाए और उसके लिए नीति बनाई जाए।

युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं का एमजे के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली। युवक कांग्रेस ने यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे केंद्रीय मंत्री एम जे अकबर के खिलाफ सोमवार को प्रदर्शन किया और उनके इस्तीफे की मांग भी की। भारतीय युवा कांग्रेस और दिल्ली युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर के घर के निकट एकत्र हुए और अकबर एवं नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। भारतीय युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि भाजपा सरकार जनविरोधी है और उसके नेता महिला विरोधी हैं। भाजपा के लोग सिर्फ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे लगाते हैं, उस पर अमल नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि अकबर के खिलाफ कई महिलाओं ने आरोप लगाए हैं। उनको तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। गौरतलब है कि कई महिला पत्रकारों ने ''मी टू' अभियान के तहत अकबर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। अकबर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश की जा रही है।

मेट्रो के शिव विहार-त्रिलोकपुरी सेक्शन पर सुरक्षा जांच 20 से

डीएमआरसी को उम्मीद दीपावली से पहले इस सेक्शन पर दौड़ने लगेगी ट्रेनें

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) लोनी और शिव विहार के आसपास रहने वाले लोगों को दिवाली का गिफ्ट देने जा रहा है। इस रूट पर मेट्रो ट्रेन का परिचालन जल्द ही शुरू होने जा रहा है। मुख्य मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) शैलेश पाठक शिव विहार-त्रिलोकपुरी संजय झील सेक्शन पर 20 अक्टूबर से सुरक्षा जांच करेंगे। जांच में सब कुछ सही मिलने के बाद उम्मीद है कि इस लाइन को नवम्बर के पहले सप्ताह में जनता के लिए खोल दिया जाएगा। जांच के दौरान गति परिचालन, सिग्नलिंग, ब्रेक सिस्टम सहित आपातकालीन ब्रेक इत्यादि का गहन निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण में खरा उतरने के बाद ही सुरक्षा आयुक्त डीएमआरसी को एनओसी जारी करेंगे। डीएमआरसी का कहना है कि अगले महीने की शुरु आत में दीपावली से पहले इसे खोल दिया जाएगा। डीएमआरसी उक्त सेक्शन पर मेट्रो परिचालन के लिए 15 सितंबर तक सभी काम निपटाकर इसकी फाइल सुरक्षा आयुक्त को भेजना चाहता था लेकिन कुछ शेष कामों की वजह से इसमें देरी हो गई। शिव विहार-त्रिलोकपुरी संजय झील खंड शुरू होते ही पूर्वी दिल्ली को नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली से जोड़ने वाला हिस्सा खोलने की तैयारी शुरू हो चुकी हैं।

मुंबई में रविवार को नारी शक्ति पुरस्कार कार्यक्रम में नृत्य पेश करतीं अभिनेत्री हेमा मालिनी।

उटावड़ में बन रही मस्जिद में टेरर फंडिंग के एनआईए के खुलासे से लोग हैरान

पलवल। हरियाणा के पलवल जिले के उटावड़ गांव में बन रही मस्जिद खुलाफा-ए-रशीदीन में टेरर फंडिंग मामले को लेकर एनआईए के खुलासे से गांव के लोग हैरान हैं। उनका कहना है कि इसमें गलत पैसा लगा है, इस पर विश्वास करना बेहद मुश्किल है, लेकिन एनआईए की टीम जांच कर रही है तो कुछ गड़बड़ होगी ही। उन्होंने कहा कि देश की न्यायिक व्यवस्था पर उन्हें पूरा भरोसा है। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है कि इस मस्जिद के निर्माण के लिए मिले पैसे का संबंध आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से है। मस्जिद निर्माण में लगे राज मिस्त्री आस मोहम्मद कहते हैं कि यह मस्जिद वर्ष 2010 से बन रही है। एनआईए के खुलासे से वह भी हैरान हैं। वह कहते हैं कि इस मामले में देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी जांच कर रही है तो कुछ तो गड़बड़ मिली ही होगी। ऐसे ही कोई किसी की जांच नहीं कर सकता।

पिता दाऊद की याद में करवा रहे निर्माण : स्थानीय मौलवी और गांव के लोगों का कहना है कि सलमान खान ने अपने पिता मौलाना दाऊद की याद में उक्त मस्जिद का निर्माण कराया है और यह मस्जिद लोगों से चंदा उगाही करके बनाई है। यह 84 गांवों की मस्जिद है।

यह है मामला

हथीन के गांव उटावड़ में एक मस्जिद का निर्माण करवाया जा रहा है। आरोप है कि आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा की तरफ से संबंधित मस्जिद के निर्माण के लिए फंडिंग हुई है। इस मामले में एनआईए ने मस्जिद का निर्माण करवा रहे सलमान खान को पिछले दिनों दिल्ली में निजामुद्दीन से गिरफ्तार किया था, तभी से जांच चल रही है। इस दौरान एनआईए की टीम मौके पर भी आ चुकी है और मस्जिद से जुड़े दस्तावेजों को अपने साथ ले गई तभी से यह मामला सुर्खियों में बना हुआ है।

एनआईए कर रही जांच

इस मामले की जांच एनआईए कर रही है। जब एनआईए की टीम यहां आती है।

फांटक क्रॉस करते वक्त ट्रेन की चपेट में आए चार लोग, एक की मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बंद फाटक क्रॉस करने के चक्कर में चार लोग ईएमयू ट्रेन की चपेट में आ गए। जिसमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गए। घायलों को एमएमजी हॉस्पिटल भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक दनकौर से शकूरबस्ती की ओर जाने वाली 64109 इएमयू ट्रेन सुबह 8:00 बजे गाजियाबाद के कोट गांव फाटक से गुजरी। यह फाटक हमेशा बंद रहता है। इस फाटक को पार करने के लिए कुछ लोग फाटक के भीतर ट्रैक पर खड़े हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक एक स्कूटी ईएमयू ट्रेन की चपेट में आ गई और वह घिसटती हुई आगे को बड़ी तभी उसकी चपेट में ट्रैक पर खड़े अन्य लोग भी आ गए। देखते ही देखते फाटक के पास अफरा-तफरी मच गई।

सूचना के बाद जीआरपी आरपीएफ एवं रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे। जीआरपी ने सभी घायलों को एमएमजी हॉस्पिटल पहुंचाया। जिसमें से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। अभी घायलों एवं मृत लोगों के बारे में किसी प्रकार की कोई पहचान नहीं हो पाई है। रेलवे अधिकारी एवं पुलिस घायलों एवं मरे व्यक्ति की जानकारी कर रही है। इससे पहले भी इस फाटक पर कई बार हादसे हो चुके हैं। यह फाटक 24 घंटे बंद रहता है क्योंकि यहां से मुरादाबाद, टूंडला एवं मेरठ की ओर लाइन क्रॉस होती है। इस फाटक के बंद होने के कारण ही यहां पर धोबीघाट आरओबी का निर्माण किया जा रहा है। दिल्ली मण्डल के अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दिए है।

नई दिल्ली स्थित तीन मूर्ति भवन परिसर में सोमवार को देश के सभी प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर संग्रहालय का प्रस्तावित मॉडल देखते लोग।

»» पहले पिस्तौल से डराया फिर कहा- कल देख लूंगा

हयात होटल में पूर्व सांसद के बेटे की गुंडागर्दी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली अपराधियों के हौंसले इतने बुलंद होते जा रहे हैं कि दिनदहाड़े बैंक पर लूट हो या फिर किसी शख्स से सड़क पर लूट की वारदात को बिना किसी खौफ के अंजाम दे रहे है। ऐसी ही वारदात का एक वीडियो सामने आया है जहां एक शख्स दिल्ली के एक नामचीन होटल में मौजूद सिक्योरिटी के बीच एक कपल को पिस्तौल निकालकर धमकी दे रहा है। ये सारी वारदात होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। हालांकि ये अभी तक साफ नहीं हो सका है कि आखिर क्यों ये शख्स इस कपल को धमकी दे रहा है।

वीडियो के मुताबिक, एक शख्स हाथ में पिस्तौल लिए दो एक युवक और युवती को धमकी दे रहा है। इस बीच एक लड़की आती है और पिस्तौल लिए जो शख्स धमकी दे रहा है उसे खींच कर कार की तरफ ले जाती है। हालांकि इस बीच एक दो बार ये युवक दोबारा से उस कपल की तरफ जाता है और पिस्तौल दिखाकर धमकी देता है। इस वीडियों में सुनाई दे रहा है कि ये युवक कार में बैठने के बाद युवक को धमकी देता है कि वह उसे कल देख लेगा। यह मामला दिल्ली के पांच सितारा होटल हयात का है

और जो शख्स पिस्तौल लेकर धमकी दे रहा है वह बहुजन समाज पार्टी (BSP) के पूर्व सांसद राकेश पांडे का बेटा आशीष है। इस मामले में पुलिस आशीष के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

होटल मैनेजर के द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, ये वीडियो 13 अक्टूबर की रात का है जबकि एएनआई के मुताबिक ये वीडियो 14 अक्टूबर का है। गौरतलब है 13 अक्टूबर को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के छावला इलाके में हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने कॉर्पोरेशन बैंक में धावा बोल दिया था और कैशियर की हत्या कर 10 लाख रुपये लूट ले गए। इस दौरान तीन अन्य लोग भी घायल हो गए थे। लुटेरे कथित तौर पर बैंक के सुरक्षा गार्ड की बंदूक भी लूट ले गए थे। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में डकैती और हत्या का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया था कि बैंक डकैती में मारे गए कैशियर की पहचान संतोष कुमार (45 साल) के रूप में हुई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, छावला में खेरा गांव में महज सात मिनट में 3.30 बजे से 3.37 बजे के बीच इस वारदात को अंजाम दिया गया था।

पुलिस बोली- जल्द गिरफ्तार होगा आरोपी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के 5 स्टार होटल के सामने बवाल मचाने वाले आशीष पांडे के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। आशीष पांडे बहुजन समाज पार्टी के पूर्व सांसद राकेश पांडे का बेटा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आशीष के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस लगातार लखनऊ पुलिस के संपर्क में है। आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। अधिकारी ने बताया, हमने होटल के स्टाफ से भी पूछा है कि उन्होंने अबतक इस केस में कोई रिपोर्ट दर्ज क्यों नहीं करवाई। पुलिस को इस बारे में सूचना क्यों नहीं दी गई। फिलहाल हम मामले की छानबीन कर रहे हैं और आरोपी को जल्द अरेस्ट किया जाएगा।

जानें क्या है पूरा मामला :

आज(मगंलवार) एक वीडियो ट्वीट किया जिसमें पूर्व विधायक राकेश पांडे का बेटा आशीष पांडे हाथ में पिस्तौल लिए होटल हयात के बाहर हंगामा करते हुए नजर आ रहा है।

वीडियो में नजर आ रहा है कि आशीष हाथ में पिस्तौल लिए सामने खड़े कपल को धमकी दे रहा है तभी उसकी दोस्त आती और उसे खींचकर कार की तरफ ले जाती है। इस बीच आशीष फिर दोबारा उस कपल की तरफ जाता है और पिस्तौल दिखाकर धमकी देता है। इस वीडियों में सुनाई दे रहा है कि वह कार में बैठने के बाद भी युवक को धमकी देता है कि वह उसे कल देख लेगा। पूरी घटना सामने आने के बाद आशीष के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है

»» वायु प्रदूषण की पूर्व चेतावनी देने वाली पण्राली शुरू

दिल्ली-एनसीआर की हवा में घुला ''जहर', आपात योजना लागू

नई दिल्ली। सर्दियों के मद्देनजर बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच केंद्रीय पृवी विज्ञान मंत्री हर्ष वर्धन ने सोमवार को एक ऐसी पण्राली का शुभारंभ किया जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बड़े स्तर पर वायु प्रदूषण के बारे में पहले ही चेतावनी देने में मदद करेगी।

''एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम' वायु प्रदूषण के बारे में पहले ही सूचना देने और केंद्र के ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के अनुसार आवश्यक कदम उठाने के लिए अलर्ट देने के वास्ते बनाया गया है। फिलहाल, वायु गुणवत्ता ''खराब' श्रेणी में, उपाय के तौर पर मशीनों से होगी सड़कों की सफाई, स्मूद ट्रैफिक के लिए होगी यातायात पुलिस की तैनाती

वायु गुणवत्ता की अन्य श्रेणियां हैं बहुत खराब, गंभीर व गंभीर से अधिक दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक आपातकालीन योजना सोमवार को लागू की गई, जिसमें मशीनों से सड़कों की सफाई और इस क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहनों के सुचारू आवागमन के लिए यातायात पुलिस की तैनाती जैसे उपाय शामिल होंगे। उच्चतम न्यायालय से अधिकार प्राप्त पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम एवं नियंत्रण) प्राधिकरण की एक सदस्य अनुमिता रायचौधरी ने कहा कि ''ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान' (जीआरएपी) के तहत जनरेटरों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई गई है, लेकिन इन पर एनसीआर में पाबंदी नहीं होगी क्योंकि क्षेत्र में बिजली आपूत्तर की स्थिति अच्छी नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण का स्तर ''बहुत खराब' श्रेणी की तरफ जाना शुरू हो गया है। आपातकालीन योजना के तहत, शहर की वायु गुणवत्ता के आधार पर ठोस कदम लागू किए गए हैं।

फिलहाल, वायु गुणवत्ता ''खराब' श्रेणी में है जिसके कारण मशीनों से सड़कें साफ करने, कूड़ा जलाने पर पाबंदी, ईंट भट्टों पर प्रदूषण नियंतण्र उपाय और वाहनों के सुचारू आवागमन के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लागू है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंतण्र बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि अगर वायु प्रदूषण की स्थिति और बिगड़कर ''बहुत खराब श्रेणी' में जाती है तो पार्किंग शुल्क तीन-चार गुना बढ़ाने तथा मेट्रो तथा बसों के फेरे बढ़ाने जैसे अतिरिक्त उपाय किये जाएंगे।

अगर वायु गुणवत्ता ''गंभीर श्रेणी' में चली जाती है तो सड़कों पर पानी का बार बार छिड़काव और ज्यादा धूल वाले मागरें की पहचान जैसे उपाय लागू होंगे। इसके बाद भी, अगर वायु गुणवत्ता ''गंभीर से अधिक' श्रेणी में चली जाती है तो दिल्ली में ट्रकों का प्रवेश रोकने, निर्माण क्रियाकलापों पर रोक तथा अन्य कदमों पर फैसला करने के लिए कार्यबल की नियुक्ति जैसे उपाय किये जाएंगे।

जीआरएपी के अलावा, प्रदूषण नियंतण्र बोर्ड ने दिल्ली-एनसीआर में 41 टीमें गठित की हैं, जो प्रदूषण रोकने के लिए लागू नियमों के उचित क्रियान्वयन की निगरानी करेंगी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 11 अक्टूबर तक, इन टीमों ने दिल्ली-एनसीआर में 96 जगह निरीक्षण किये हैं और आगामी दिनों में निरीक्षण और बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दो सदस्यीय टीम ने 15 सितंबर को निरीक्षण शुरू किया था।

संपादकीय

कीमतों का गणित

भले ही स्थिति परेशान करने वाली न हो, लेकिन आंकड़े चिंतित करने वाले तो हैं ही। सोमवार को केंद्र सरकार ने महंगाई के पिछले महीने के जो आंकड़े पेश किए हैं, वे अर्थव्यवस्था के रुझान के बारे में बहुत कुछ कहते हैं। सितंबर महीने में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई यानी मुद्रास्फीति 4.53 प्रतिशत पर रही, जबकि अगस्त महीने में यह 3.14 प्रतिशत पर थी। इन आंकड़ों के विस्तार में जाएं, तो तस्वीर कुछ और ही कहती है। एक तरफ यह महंगाई बढ़ रही है, खाद्य पदार्थों की कीमतें काफी तेजी से नीचे आई हैं। अगस्त महीने में खाद्य पदार्थों की महंगाई 4.04 प्रतिशत पर थी, जो पिछले महीने शून्य से भी नीचे चली गई। और सब्जियों के मामले में कीमतें जिस तेजी से नीचे गई हैं, वह तो चिंता पैदा करने वाला है। अगस्त महीने में सब्जियों की मुद्रास्फीति 20.18 फीसदी थी, जो सितंबर में शून्य से नीचे जाकर -3.83 प्रतिशत पर रुक गई है। दालों के मामले में हालात और भी चिंताजनक हैं। अर्थशास्त्र में महंगाई यानी मुद्रास्फीति का बहुत ज्यादा या बहुत तेजी से बढ़ना चिंताजनक माना जाता है, लेकिन अगर यही मुद्रास्फीति शून्य से नीचे जाने लगे, तो इसे संकट की तरह देखा जाता है। हालांकि एक महीने के आंकड़ों से हम कोई बहुत बड़ा नतीजा नहीं निकाल सकते, लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति के ये आंकड़े आने वाले समय में किसानों की मुसीबतें बढ़ा सकते हैं। खाद्य पदार्थों की घटती कीमतों के बीच थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के बढ़ने का राज छिपा है ईंधन की बढ़ती कीमतों में। पिछले महीने पेट्रोल की मुद्रास्फीति 17.21 प्रतिशत रही, जबकि डीजल की 22.18 प्रतिशत। हालांकि ये आंकड़े बताते हैं कि इस बीच खुदरा मुद्रास्फीति बहुत ज्यादा नहीं बढ़ रही। अगस्त में वह 3.69 प्रतिशत थी, जो सितंबर में बढ़कर 3.77 प्रतिशत हो गई। इसके साथ ही फैक्टरियों में बने उत्पादों के दाम भी बढ़े हैं। ये आंकड़े चौंकाने वाले भले ही हों, लेकिन बहुत ज्यादा परेशान करने वाले इसलिए नहीं हैं, क्योंकि त्योहारों के इस मौसम में अर्थव्यवस्था का रुझान बहुत कुछ ऐसा ही रहता है। बरसात में खाद्य पदार्थों के वितरण में मौसम की वजह से बाधा आती है, इसलिए उनकी कीमतें बढ़ जाती हैं। सितंबर महीने में जब यह बाधा कम होती है, तो कीमतें तेजी से नीचे आती हैं। खरीफ की नई फसल बाजार में आने के कारण भी यह होता है। लेकिन इस मुद्रास्फीति का शून्य से नीचे चले जाना ऐसा रुझान है, जिसके बाद आपात कदम उठाए जाने की जरूरत है। हालांकि ये आंकड़े सितंबर महीने के हैं और इस महीने से शुरू हो चुके त्योहारों के मौसम में बाजार में खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ेगी, तो संभव है कि उनकी मुद्रास्फीति भी सही स्तर पर आने लगे। लेकिन असल समस्या पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें जब बढ़ती हैं, तो उनका असर कई तरह से सभी चीजों की कीमतों, पूरे बाजार और पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यह ऐसा मसला है, जिसे सरकार भी समझ रही है, इसीलिए उसने टैक्स कम करके पेट्रोल की कीमत को सही राह पर लाने की एक कोशिश भी की। हालांकि यह समस्या दोहरी है। एक तरफ, विश्व बाजार में पेट्रोलियम के भाव बढ़ रहे हैं और दूसरी तरफ दुनिया के बाजार में रुपये की कीमत गिर रही है। जाहिर है, इन दोनों की ही मार उपभोक्ताओं पर पड़नी ही है।.

इस्तीफा दें अकबर

पिछले कुछ दशकों से भारतीय राजनीति में नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का संकट बढ़ा है, उसे देखते हुए उम्मीद यही थी कि विदेश राज्य मंत्री एम जे अकबर अपने पद पर यथावत बने रहेंगे। मंत्री महोदय पर ग्यारह महिला पत्रकारों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है, लेकिन अफ्रीकी देशों की सरकारी यात्रा से स्वदेश लौटने के बाद उन्होंने लिखित बयान जारी कर सभी आरोप खारिज कर दिए। ऐसे संकेत मिले हैं कि पार्टी की वरिष्ठ नेता और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज से मुलाकात के बाद ही उन्होंने यह बयान जारी किया है। इसका सीधा सा आशय है कि भाजपा और उसकी केंद्र सरकार, दोनों अकबर को मंत्री पद पर बनाए रखना चाहते हैं। शब्दकोष से शुचिता, नैतिकता, सुशासन, भारत की श्रेष्ठ संस्कृति और परंपरा जैसे आदर्शवादी शब्दों को ढूंढ़-ढूंढ़ कर अपने पक्ष में इस्तेमाल करने वाली भाजपा का यह दोहरा चरित्र ही है, अकबर के खिलाफलगे यौन उत्पीड़न के आरोपों को पार्टी और सरकार, दोनों की छवि को नुकसान और फायदे के तराजू पर तौल रहे हैं। दरअसल, भाजपा यह मानकर चल रही है कि अकबर पर लगे ओप उनके मंत्री बनने से पहले के हैं, लिहाजा इससे पार्टी पर विपरीत असर नहीं पड़ेगा। पार्टी और सरकार यह भी मानकर चल रही है कि अकबर से इस्तीफा लेने के बाद ''हैशटैग मीटू अभियान' यदि कुछ और मंत्रियों को अपनी चपेट में लेता है, तो उनसे भी इस्तीफा लेना पड़ेगा। जाहिर है कि इससे पार्टी औ सरकार, दोनों को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ सकता है। दरअसल, जब राजनीतिक पार्टियां सत्ता में होती हैं, तो उन पर सत्ता का नशा इस कदर हावी रहता है कि वे नैतिक और अनैतिक के बीच भेद नहीं कर पातीं। यही वजह है कि भाजपा भी अपने मंत्री का बचाव करने में जुटी हुईहै। लेकिन इस चुनावी वर्ष में भाजपा के लिए बेहतर होता कि अकबर से नैतिकता के आधार पर उनसे इस्तीफा मांग लेती। सरकार पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच कराती और यदि अकबर निदरेष होते तो उन्हें गाजे-बाजे के साथ मंत्रिमंडल में वापिस कर लेती। भाजपा के वर्तमान नेतृत्व को याद रखना चाहिए कि हवाला में नाम आने के साथ ही एल के आडवाणी ने बेदाग होने तक चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की थी। लेकिन इतना जरूर है कि अकबर पर इस्तीफा देना का दबाव पड़ेगा और उन्हें देर सबेर कुर्सी छोड़नी पड़ सकती है।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

भारतीय ब्रह्मचारी सेवा

यह प्रचार झूठा है कि पाकिस्तान के पास सबसे खतरनाक हथियार-परमाणु बम है। हाल में एक भारतीय इंजीनियर कम वैज्ञानिक पाकिस्तान के लिए जासूसी करते पकड़ा गया है। इसे पाकिस्तानी सुंदरियों ने फंसा लिया। सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी सुंदरियों ने इसके साथ वह किया, जिसे अंग्रेजी में हनी ट्रैप कहते हैं। परमाणु बम धरा का धरा रह गया, हमारा इंजीनियर सुंदरियों ने गिरा लिया। वह ब्रह्मोस मिसाइल की तमाम जानकारियां सुंदरियों को देता पकड़ा गया। पाकिस्तानी सौंदर्य के चक्कर में बहुत लोग फंसते हैं। ऐसी खबरें नहीं आतीं कि भारतीय सुंदरियों ने पाकिस्तानी सेना के इंजीनियर को फंसा लिया। वैसे, ऐसा संभव नहीं है। पाकिस्तान में अपना कुछ नहीं बनता, आतंकियों को छोड़कर। मिसाइल चीन से आती है। पाकिस्तान में न मिसाइल अपनी, न हवाई जहाज। इसलिए पाकिस्तानियों को भी अपनी मिसाइलों के बारे में भी कुछ न पता होता, तो उनकी जासूसी संभव नहीं है। पाकिस्तान भारत को समय-समय पर यही धमकाता रहता है कि चीन को बता दूंगा। तुम्हारी पिटाई लगाएगा। चीन कहता है कि पहले मैं अपने सारे मोबाइल बेच लूं भारत में। मोबाइल भी हथियार हैं, सिर्फ सुंदरियां ही बतौर हथियार इस्तेमाल न होतीं। सुंदरियां जब इस्तेमाल हों बतौर हथियार, तो प्रतिरक्षा के लिए ब्रह्मचारियों की भरती होनी चाहिए संवेदनशील संस्थानों में। मैंने सेना के एक वरिष्ठ अफसर से कहा-कि संवेदनशील पदों पर साधु-संन्यासी टाइप लोगों की भरती होनी चाहिए ताकि उनका हनी ट्रैप न हो सके। ब्रह्मचर्य का सुरक्षा की दृष्टि से रणनीतिक महत्त्व है। सो, बाबाओं, ब्रह्मचारियों को ही संवेदनशील जगहों पर नियुक्ति मिलनी चाहिए। सेना अफसर हंसने लगा और बोला-तब तो हनी ट्रैप की जरूरत ही न पड़ेगी। बाबा राम रहीम और आशाराम टाइप बाबा खुद ही कह देंगे पाकिस्तानी सुंदरियों से, पाकिस्तानी जासूसों से-''ले डिजाइन क्या, तू तो असली मिसाइल ले जा। टैंक ले जा। बस, मिस पाकिस्तान से मिलवा दे।' ऐसा हुआ तो फिर पाकिस्तान में सिर्फ दाऊद इब्राहीम जैसे आतंकी ही शरण न पाएंगे, बल्कि तमाम बाबाओं का ठिकाना भी पाकिस्तान में होगा। वैसे, सोचिए सेना अफसर गलत कह रहा है क्या!

एक प्रगतिशील फैसले के बाद

एस श्रीनिवासन

देश का सबसे शिक्षित सूबा केरल इन दिनों उबल रहा है। विवाद सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को लेकर है, जिसमें सबरीमाला के अयप्पा मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं को पूजा-अर्चना की अनुमति दी गई है। इस फैसले का सांविधानिक पहलू भी है और सांस्कृतिक भी। लेकिन चुनावी मौसम के करीब होने के कारण इस मसले को विशुद्ध राजनीति ने हथिया लिया है।

कानूनी लिहाज से यह विवाद एक व्यक्ति की निजी आस्था के अधिकार और लोगों के एक समूह द्वारा अपने धार्मिक मामलों के प्रबंधन के बीच का था। पिछले पखवाड़े संविधान पीठ ने चार और एक के अनुपात के अपने फैसले में यह साफ-साफ कहा कि व्यक्ति का अधिकार समूह के अधिकारों से ऊपर है। इस मामले में समूह मंदिर प्रबंधन है। पीठ में शामिल एक माननीय न्यायाधीश ने, जो स्वयं महिला भी हैं, बहुमत से अलग फैसला दिया। उन्होंने एक खास उम्र की स्त्रियों के प्रवेश की बात को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि धार्मिक परंपराओं को लैंगिक समानता या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जोड़कर नहीं देखा जा सकता।

> सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अब केरल में राजनीतिक नफे-नुकसान के हिसाब से देखा जा रहा है।

केरल की वाम मोर्चा सरकार ने शीर्ष अदालत के फैसले का स्वागत किया और मंदिर प्रबंधन की पुनर्विचार याचिका दायर करने की मांग मानने से इनकार कर दिया। कोर्ट के फैसले को किस तरह से लागू किया जाए, इसके बारे में विचार-विमर्श के लिए राज्य सरकार ने सबरीमाला के मुख्य पुजारी और राज-परिवार के वारिसों को न्योता दिया था, लेकिन उन्होंने इसे ठुक रा दिया। यद्यपि राज्य सरकार ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया, मगर वामपंथी पार्टी के तेवर नरम रहे और उसने त्रावणकोर देवासम बोर्ड के विरोधी रुख की मुखालफत नहीं की। गौरतलब है कि यह बोर्ड राज्य सरकार के नियंत्रण में है। कांग्रेस के नेतृत्व में यूडीएफ ने इस मुद्दे पर ढुलमुल रुख दिखाया। कभी तो वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता है, और कभी इसके 'सामाजिक असर' की शिकायत भी करता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी शुरुआत में सुधारवादी बनाम कट्टरपंथी दलील में उलझ गया, मगर जल्दी ही उसने अपनी नीति तय कर ली और अब वह अपनी राजनीतिक इकाई (भाजपा) की हर मदद कर रहा है। परिणामस्वरूप, कुछ दक्षिणपंथी संगठनों ने मंदिर प्रवेश का खुलकर विरोध करने का फैसला किया। इनमें से एकाधिक ने 'आत्मदाह' करने तक की धमकी दे डाली।

मूल विवाद एक खास उम्र अवधि (10 से 50 साल) की स्त्रियों के मंदिर प्रवेश की इजाजत को लेकर है। मंदिर प्रवेश की अनुमति का विरोध करने वालों की दलील है कि यह भगवान अयप्पा का मंदिर है, जो 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' माने गए हैं। इनके दर्शन के इच्छुक पुरुष-महिला श्रद्धालुओं को कठोर संयम और ब्रह्मचर्य का पालन करना पड़ता है। सबरीमाला मंदिर मलयालम महीने की खास अवधि के लिए खुलता है। इसमें हर मलयालम महीने, जिसकी शुरुआत

अंग्रेजी माह के लगभग मध्य से होती है, के शुरुआती पांच दिन और हर साल मकर संक्राति के दौरान यानी 1 जनवरी से 15 जनवरी तक पूजा की जाती है।

सबरीमाला तीर्थस्थल प्रबंधन 41 दिनों के 'व्रतम' को काफी महत्व देता है। इन दिनों में तीर्थयात्रा पर जा रहे श्रद्धालु को खुद को परिवार से अलग कर लेना पड़ता है। तीर्थस्थल प्रबंधन के लोगों का कहना है कि इस आयु वर्ग की औरतों के साथ परेशानी यह है कि वे 41 दिनों के व्रतम-अनुशासन को पूरा नहीं कर सकतीं। वे दलील देते हैं कि यह हिंदुओं में एक परंपरा है कि रजस्वला महिलाएं मंदिर नहीं जातीं या उस दौरान कोई धार्मिक कर्म नहीं करतीं। इस पर याचिकाकर्ता की दलील है कि यह परंपरा स्त्रियों को मर्दों के मुकाबले कमजोर और कमतर इंसान समझती है। उनकी राय में 'रजस्वला स्त्रियों' और 'अस्पृश्यों' को मंदिर प्रवेश के मामले में एक ही निगाह से देखा जाता है, इसलिए यह रवायत 'छुआछूत' को बढ़ावा देती है। दिलचस्प बात यह है कि केरल ही वह जगह थी, जिसने 'अस्पृश्यता' के खिलाफ आगे बढ़कर मोर्चा लिया था। यहां तक कि 1920 के दशक में अंतरजातीय विवाहों और 'अस्पृश्यों' के मंदिर-प्रवेश को बढ़ावा देने में नारायण गुरु के अनुयायी महात्मा गांधी से आगे थे। जब दो प्रभुत्वशाली जातियां- 'नायर' और 'नंबूदिरी' उस वक्त मंदिरों का प्रबंधन संभालती थीं, तब ताड़ी उतारने वाली पिछड़ी जाति 'एझावा' ने अस्पृश्यों के मंदिर प्रवेश की लड़ाई लड़ी। अंतत-वायकम नामक जगह में मंदिर प्रवेश के लिए एक 'अस्पृश्यता विरोधी समिति' का गठन हुआ, जिसमें सवर्ण और पिछड़ी जातियों को शामिल किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, व्यक्तिगत अधिकार का सवाल, खासकर औरतों का और सामाजिक अधिकारों का विवाद दक्षिणपंथ के मुफीद अवसर के रूप में आया है। हजारों की तादाद में पुरुष-स्त्री केरल और पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में मंदिर प्रवेश के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। तमिलनाडु ने कुछ इसी तरह का दृश्य जलीकट्टू के समय देखा था, जब इस पारंपरिक खेल के समर्थकों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा इसमें पशुओं के इस्तेमाल पर रोक को सांस्कृतिक अधिकारों के हनन के रूप में लिया था। बाद में राज्य सरकार इस फैसले से बचने के लिए अध्यादेश लेकर आई। अब मंदिर प्रवेश के विरोधी भी केरल सरकार से सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ अध्यादेश लाने की मांग कर रहे हैं। वे पुनर्विचार याचिका दायर किए बगैर राज्य सरकार द्वारा फैसले को लागू करने की चेष्टा के पीछे 'राजनीतिक मंशा' देख रहे हैं।

इस विवाद ने केरल का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। प्रगतिशील कानून और न्यायिक फैसले अक्सर गलत परंपराओं और सांस्कृतिक अधिकारों के विरुद्ध ही होते हैं। कई बार ये मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के जरिए भी दुरुस्त हुए। उदाहरण के तौर पर, मंदिर प्रवेश आंदोलन की शुरुआत में समाज के हाशिये के तबकों में एक तरह की हिचक थी, क्योंकि उन्हें 'ईश्वरीय दंड' का भय था। लेकिन वक्त बीतने के साथ यह भय मिट गया। हालांकि, आज का माहौल बिल्कुल अलग है, जहां राजनीति काफी धुंधीकृत हो गई है और हर चीज को चुनावी नफा-नुकसान के चश्मे से देखा जाने लगा है। मंदिर-प्रवेश का मसला भी इससे अछूता नहीं है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अंतर्मन

निर्दोष की प्रतिष्ठा को आंच न आये

अनुप भटनागर

इस समय देश में 'मी टू'- 'मी टू' आन्दोलन से जुड़कर खुद को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की पीड़ित होने का दावा करते हुए सिनेजगत से लेकर राजनीतिक और मीडिया तक के नामी-गिरामी लोगों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। यह तो जांच और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से ही पता चल सकेगा कि इन आरोपों में से कितने सही और कितने गलत हैं लेकिन फिलहाल 'मी टू' ने अनेक खास लोगों के चरित्र पर सवाल खड़े करने और उनकी प्रतिष्ठा धूल धूसरित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

इनमें से कई आरोप 15 से 20 साल पुरानी घटनाओं को लेकर हैं। सरकार ने भी इस तरह के आरोपों की जांच के लिये एक समिति गठित कर दी है लेकिन एक सवाल है कि कार्यस्थल पर यौन शोषण के आरोप लगाने वाली ये महिलायें सक्षम होने के बावजूद लंबे समय तक खामोश क्यों रहीं? अभिनेत्री तनुश्री दत्ता की तरह उन्होंने भी घटना के समय ही आवाज क्यों नहीं उठाई? अन्यत्र भी यौन उत्पीड़न और मानसिक उत्पीड़न की घटनायें सुर्खियों में आती रही हैं। ऐसी घटनाओं में आरोपी के खिलाफ कार्रवाई भी हुई है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण के लिये उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद 2013 में विस्तृत कानून बना जो देश में लागू भी है। दूसरी ओर, कार्यस्थल से इतर यौन शोषण की घटनाओं के मामले में भारतीय दंड संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाती रही है। लेखिका-निर्माता विनिता नंदा ने अभिनेता आलोक

नाथ पर बलात्कार जैसा गंभीर आरोप लगाकर सनसनी पैदा कर दी और इसके जवाब में आलोक नाथ ने उन्हें मानहानि का नोटिस भेजा है। स्थिति यह हो गयी है कि आज हर तरफ 'मी टू' के माध्यम से महिलायें यौन शोषण के अनुभव साझा ही नहीं कर रही बल्कि ऐसा करने वाले व्यक्तियों के नाम भी ले रही हैं। ध्यान रहे कि इसी समाज और न्याय व्यवस्था में पंजाब पुलिस के पूर्व महानिदेशक केपीएस गिल, हरियाणा पुलिस के पूर्व महानिदेशक एसपीएस राठौर, पर्यावरणविद् आर. के. पचौरी और पत्रकार तरुण तेजपाल सरीखे अनेक प्रतिष्ठित व्यक्ति कानून के दायरे में आ चुके हैं। यही नहीं, उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अशोक गांगुली पर भी इस तरह के आरोप लगे और शीर्ष अदालत ने इनकी जांच भी कराई।

एक ओर हम मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिये न्यायालय का दरवाजा खटखटाते हैं और दूसरी ओर ठोस तथ्यों के बगैर ही सोशल मीडिया पर चर्चित लोगों का चरित्रहनन करने में संकोच नहीं कर रहे हैं। ऐसा करते समय यह भी ध्यान नहीं रखा जा रहा कि आरोपों के दायरे में आने वाले व्यक्तियों की प्रतिष्ठा भी मौलिक अधिकारों के दायरे में आती है। कामकाजी महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन शोषण से संरक्षण प्रदान करने के लिये उच्चतम न्यायालय ने 13 अगस्त 1997 को विशाखा प्रकरण में विस्तृत दिशा निर्देश दिये थे। इस फैसले को कानून बनाने में सरकार को भी 16 साल लगे। कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन शोषण (संरक्षण, निषेध और समाधान) कानून दिसंबर, 2013 से लागू हुआ। इसके दायरे में यौन केंद्रित अशोभनीय और अवांछित आचरण, अनुचित तरीके से शारीरिक संपर्क और इस तरह की पहल, यौन संबंध के लिये आग्रह, अश्लील टिप्पणियां, अश्लील फिल्म दिखाना और यौनाचार प्रकृति के अन्य शारीरिक, मौखिक, सांकेतिक आचरण शामिल हैं।

यह कानून सिर्फ कामकाजी महिलाओं को ही संरक्षण प्रदान नहीं करता बल्कि कार्यक्षेत्र में प्रवेश करने वाली ग्राहक, प्रशिक्षु, दैनिक वेतनकर्मी महिलाओं के साथ ही असंगठित क्षेत्र के कार्यस्थल भी इसके दायरे में हैं। यह कानून बनाने के साथ ही भारतीय दंड संहिता में धारा 354 में कुछ नये प्रावधान जोड़े गये थे। इन प्रावधानों के तहत किसी महिला को अनुचित तरीके से छूने के अपराध में एक साल से पांच साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। किसी महिला की अस्मिता भंग करने के इरादे से अश्लील शब्दों का इस्तेमाल करने या हावभाव और सांकेतिक भाषा का इस्तेमाल करने के अपराध में तीन साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान है। इसके अलावा, किसी अधीनस्थ के साथ उसकी सहमति से यौन संबंध स्थापित करने को भी अपराध के दायरे में शामिल करके दस साल तक की सजा का प्रावधान है। सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत किसी महिला की जानकारी के बगैर ही उसे देखना, उसकी तस्वीरें लेना और उन्हें दूसरों को दिखाने के अपराध के लिये एक साल से सात साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। कामकाजी महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन शोषण से संरक्षण प्रदान करने संबंधी कठोर प्रावधानों के बावजूद 'मी टू' के माध्यम से दूसरों को कथित रूप से चरित्रहीन साबित करने के इस अभियान से उठ रहे विवाद का समाधान कैसे होगा? यदि आरोप साबित नहीं हुए तो उन लोगों की प्रतिष्ठा का क्या होगा, जिन्हें निशाना बनाया जा रहा हैं।

स्वच्छ गंगा

आजमाने होंगे ये उपाय

राजीव मंडल

गंगा की सफाई को लेकर न जाने कितने अरब रुपये खर्च कर दिए गए। शायद आगे भी होंगे। मगर गंगा गंदली ही होती जा रही है। यह हो क्यों रहा है, इसका जवाब किसी के पास भी नहीं है। उनके पास भी नहीं, जिन्होंने गंगा के नाम पर न जाने कितनी कसमें खाई और ढकोसले किए। तभी तो आज मां गंगा आचमण लायक भी नहीं रहीं। गंगा साफ और शुद्ध रहे, इसके लिए सरकार ने लाख जतन किए। केंद्र में सत्तारूढ़ नरेन्द्र मोदी सरकार गंगा की स्वच्छता के लिए 20 हजार करोड़ की भारी-भरकम राशि ''नमामि गंगे' के तहत आवंटित कर चुकी है, जिनमें से करीब साढ़े चार हजार करोड़ रुपये खर्च भी हुए हैं। किंतु गंगा की सेहत पर कोई खास फर्क नहीं पड़ा है। अब इसकी सफाई की समय सीमा मार्च 2019 रखी गई है गंगा की निर्मलता, सफाई और पवित्रता के लिए 112 दिनों से अनशनरत पर्यावरणविद् प्रो.जी.डी.अग्रवाल उर्फ स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद की मौत के बाद गंगा को लेकर बवाल ज्यादा बढ़ गया है। गंगा महज एक नदी भर नहीं है, बल्कि जन-जन की भावना का आधार है। इसके लिए देशवासियों में चरम आस्था है। मगर गंदा करने में जनता की भूमिका को नकारा भी नहीं जा सकता। गंगा किनारे बसे कई गांवों और शहरों में जीविका से लेकर उनकी दिनचर्या का परम आधार ही गंगा नदी है। स्वाभाविक है, रोजाना इस्तेमाल से यह मैली भी होती जा रही है और लोगों को बीमार भी कर रही है। सो, गंगा की सफाई के लिए आस्था को हथियार बनाना समझदारी भरा कदम होगा। आस्थावान जनता के दिलों में गंगा की पवित्रता, उन्हें मां मानने की सीख-जो हर भारतवासी को जन्म लेते ही संस्कार के तौर पर दी जाती है-उस अलख को फिर से जागृत करना होगा। वरना रुपये भी खर्च होंगे और गंगा की दारुण दशा में भी बेहतरी नहीं आएगी। सिर्फ सफाई को एजेंडे में रखेंगे तो परिणाम सकारात्मक नहीं आएंगे। गौरतलब है कि देशभर में 1809 कंपनियां और फैक्टरियां गंगा को प्रदूषित कर रहीं हैं। हालांकि इस समस्या के निदान को हरसंभव प्रयास हो रहे हैं, परंतु निरंतर निगरानी के अभाव में सारी व्यवस्था दम तोड़ देती हैं। इसके अलावा, हमें उन स्रोतों को तलाशना होगा, जिससे गंदगी बढ़ती है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों को जागरूक करने से आधी समस्या खुद-ब-खुद हल हो जाएंगी। जिम्मेदार नागरिक होने का फर्ज हर किसी को निभाना होगा। गंगा समेत कई नदियों में गंदगी की एक बड़ी वजह मौसम भी है। बाढ़ की वजह से भी गाद और कीचड़ समेत कई हानिकारक चीजें भी गंदगी का एक बड़ा कारण बनता है। इसमें सुधार करने की जरूरत है। चूंकि गंगा में मछली पालन से लेकर नौका परिवहन समेत कई कार्य संपन्न किए जाते हैं, सो इस दबाव को समन्वित तरीके से कम करने की जरूरत है। हमें पर्यावरण को जन स्वास्थ्य से जोड़ना होगा। इस बात को तयपूर्ण तरीके से जनता के सामने रखना होगा कि स्वास्थ की बेहतरी के लिए नदियों का साफ और निर्मल बहाव रहना अत्यंत आवश्यक है।साबरमती नदी का उदाहरण हमारे सामने है। जिस तरह की गंदगी से एक समय साबरमती बजबजाती थी, थोड़े समय के प्रयास ने तस्वीर ही पलट कर रख दी। नदी किनारे रिवर फ्रंट बनाकर न केवल उसे गंदा करने के सारे उपक्रम खत्म कर दिए गए बल्कि उसकी खूबसूरती में भी चार चांद लगा दिया गया। तो लाख टके का सवाल यही कि जब साबरमती को जिंदा किया जा सकता है तो गंगा को क्यों नहीं? साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर यमुना रिवर फ्रंट बनाने की कवायद की गई मगर कतिपय कारणों से यह परवान नहीं चढ़ सकी। एक बात तो तय है कि हमें नदियों के अस्तित्व को अगर जिंदा रखना है तो स्कूल-कॉलेज स्तर पर पर्यावरण को लेकर सजगता दिखानी होगी। नदियों का महत्त्व हमारे लिएक्या होता है, यह बताने की जरूरत नहीं है। बस इच्छाशक्ति को मजबूत करना होगा।प्रो. अग्रवाल अपने लिए गंगा की शुद्धि का अभियान नहीं छेड़े हुए थे। उनकी लड़ाई के केंद्र में गंगा की अविरलता थी, जिसे जगह-जगह बड़े बांध बनाकर और खनन के जरिये बाधित किया जा रहा था। इस कड़वी सचाई से हम मुंह नहीं चुरा सकते कि नदियों से हमने सिर्फ लिया है। हम स्वार्थी हो गए हैं। मां तो कहते हैं मगर उसके लिए रत्ती भर भी रचनात्मक सोच नहीं रखते। हमें अगर आने वाली पीढ़ी को कुछ बेहतर देकर जाना है तो मल्टीपल पर्सपेक्टिव में उपायों को अमल में लाना होगा। जीवनदायी गंगा को चेतना से जोड़ना ही होगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि ''मां' के बेटे का अगला कदम क्या होगा? ''गंगापुत्र' का इस मामले पर जवाब अपेक्षित है।

विश्व कप की तैयारी के लिये उम्दा जरिया होगी एशियाई चैम्पियंस ट्राफी

नई दिल्ली। भारतीय हाकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा कि एशियाई चैम्पियंस ट्राफी से न सिर्फ एशियाई खेलों में की गई गलतियों को दुरूस्त करने का मौका मिलेगा बल्कि आगामी विश्व कप की तैयारी का भी सुनहरा मौका मिलेगा। भारत को एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में मलेशिया ने हराया लेकिन भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर कांस्य पदक जीता। मनप्रीत ने ओमान में होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्राफी के लिये रवाना होने से पहले कहा, ''हम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक नहीं जीत सके लेकिन अब नये सिरे से तरोताजा होकर भुवनेश्वर में होने वाले विश्व कप की तैयारी करनी है।'' दुनिया की पांचवें नंबर की टीम भारत गुरुवार को ओमान से पहला मैच खेलेगी। भारत को चुनौती मलेशिया, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जापान से मिलेगी । भारत ने 2016 में पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था।

भारत के पंवार ने युवा ओलंपिक 5000 मीटर पैदल चाल में जीता रजत पदक

ब्यूनसआयर्स। भारत के सूरज पवार ने पुरुषों की 5000 मीटर पैदल चाल में रजत पदक जीतकर युवा ओलंपिक खेलों की एथलेटिक्स में भारत का खाता खोला। पवार ने सोमवार की रात दूसरे दौर में 20 मिनट 35.87 सेकेंड के साथ पहला स्थान हासिल किया लेकिन सभी परिणामों को मिलाकर वह दूसरे स्थान पर रहे। नये प्रारूप के अनुसार युवा ओलंपिक में ट्रैक एवं फील्ड (चार किमी क्रास कंट्री को छोड़कर) फाइनल नहीं होगा। प्रत्येक स्पर्धा दो बार आयोजित की जाएगी तथा दोनों दौर के परिणाम मिलाकर अंतिम सूची तैयार होगी।

सत्रह वर्षीय पंवार पहले दौर में 20 मिनट 23.30 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। इक्वेडर के पाटिन आस्कर इसमें पहले स्थान पर रहे थे। आस्कर दूसरे दौर में दूसरे स्थान पर आये थे। उन्होंने 20 मिनट 13.69 सेकेंड और 20 मिनट 38.17 सेकेंड के साथ स्वर्ण पदक जीता। पवार का कुल समय 40 मिनट 59.17 सेकेंड का रहा, जो कि आस्कर के 40 मिनट 51.86 सेकेंड से अधिक था। प्यूर्टोरिका के जान मोरियू ने कांस्य पदक जीता। भारत का वर्तमान युवा ओलंपिक में एथलेटिक्स में यह पहला पदक है। यह युवा ओलंपिक की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भारत का कुल मिलाकर तीसरा पदक है। अर्जुन (पुरूषों की चक्का फेंक) और दुर्गेश कुमार (पुरूषों की 400 मीटर बाधा दौड़) ने 2010 में रजत पदक जीते थे। पवार ने रजत पदक जीतने के बाद कहा, 'यह शानदार अहसास है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं पदक जीतने में सफल रहा। मैंने खेलों के लिये कड़ी मेहनत की थी। यह भारत के लिये मेरा पहला पदक है। मेरा अगला लक्ष्य अपने समय में सुधार करना और सीनियर स्तर पर भी पदक जीतना है।'

युवा ओलंपिक में भारत की ज्योति गुलिया हारी, मुक्केबाजी में चुनौती समाप्त

ब्यूनसआयर्स। पूर्व विश्व चैंपियन ज्योति गुलिया (51) किग्रा के क्वार्टर फाइनल में इटली की मार्टिना ला पियाना से हारने के साथ ही भारत की युवा ओलंपिक खेलों की मुक्केबाजी में शुरू में चुनौती समाप्त हो गयी। ज्योति इन खेलों के लिये क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय मुक्केबाज थी। उन्होंने विश्व खिताब के दम पर खेलों में जगह बनायी थी लेकिन सोमवार की रात को वह इटली की मुक्केबाज से 0-5 से हार गयी। हरियाणा की इस 17 वर्षीय मुक्केबाज से खेलों में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी क्योंकि उन्होंने पिछले महीने पोलैंड के गिलिवाइस में सिलेसियान ओपन में स्वर्ण पदक जीता था। युवा ओलंपिक में भारत ने अब तक मुक्केबाजी में केवल दो पदक जीते हैं। ये पदक 2010 में शिव थापा (54 किग्रा, रजत) और विकास कृष्ण (60 किग्रा, कांस्य) ने जीते थे।

रहीम स्टर्लिंग के शानदार 2 गोल की बदौलत इंग्लैंड ने स्पेन पर दर्ज की जीत

सेविले। रहीम स्टर्लिंग के दो गोल की मदद से इंग्लैंड ने यूएफा नेशन्स लीग के ग्रुप चार के एक रोमांचक मैच में स्पेन को 3-2 से हराया जो उसकी पिछले कुछ वर्षों की सबसे शानदार जीत मानी जा रही है। नये कोच लुई एनरिक की देखरेख में स्पेन की टीम ने शानदार फार्म दिखायी है। फिर वह स्वदेश में खेल रही थी और इसलिए इसे गेरेथ साउथगेट के कोच रहते हुए इंग्लैंड की सर्वश्रेष्ठ जीत माना जा रहा है। यह 2001 में म्यूनिख में जर्मनी पर 5-1 की जीत के बाद उसकी सबसे प्रभावशाली जीत है। स्टर्लिंग ने 16वें और 38वें मिनट में गोल किये जबकि इस बीच मार्कस रैशफोर्ड ने 29वें मिनट में गोल दागा। इस तरह से इंग्लैंड ने मध्यांतर तक ही 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी। स्पेन ने दूसरे हाफ में वापसी की कोशिश की। उसकी तरफ से स्थानापन्न पाको अलकासर ने 58वें मिनट में पहला गोल किया। सर्जियो रामोस ने इंजुरी टाइम के अंतिम क्षणों (98वें मिनट) में दूसरा गोल किया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस जीत का मतलब है कि इंग्लैंड ने नेशन्स लीग के ग्रुप चार में शीर्ष पर रहने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं।

दस हजारी बनकर सचिन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं विराट

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में क्रिकेट के इस प्रारूप में 10,000 रन पूरे करके दिग्गज सचिन तेंदुलकर के एक रिकार्ड को अपने नाम कर सकते हैं। कोहली ने अब वनडे में 9779 रन बनाये हैं और उन्हें 'दस हजारी' क्लब में शामिल होने के लिये केवल 221 रन की दरकार है। बेहतरीन फार्म में चल रहे कोहली अगर पांचों मैच में खेलते हैं तो आसानी से इस मुकाम तक पहुंच सकते हैं।

इतना तय है कि कोहली जब भी वनडे में 10,000 रन पूरे करेंगे तो सबसे कम पारियों में इस मुकाम पर पहुंचने का रिकार्ड उनके नाम पर होगा। अभी रिकार्ड तेंदुलकर के नाम पर है जिन्होंने 259 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। कोहली ने 211 मैचों में 203 पारियां खेली हैं। कोहली से पहले विश्व के 12 बल्लेबाजों ने वनडे में 10,000 रन पूरे किये हैं। इनमें भारत के चार बल्लेबाज तेंदुलकर (18,426 रन), सौरव गांगुली (11,363), राहुल द्रविड़ (10,889) और महेंद्र भसह धोनी (10,123) शामिल हैं।

धोनी ने भारत की तरफ से हालांकि 9949 रन बनाये हैं और उन्हें अपनी राष्ट्रीय टीम की तरफ से वनडे में 10,000 रन पूरे करने के लिये 51 रन की दरकार है। धोनी ने 2007 में एशिया एकादश की तरफ से खेलते हुए अफ्रीका एकादश के खिलाफ तीन मैचों में 174 रन बनाये थे जिससे वह हाल में समाप्त हुए एशिया कप के दौरान 'दस हजारी' क्लब में शामिल हो गये थे।

कोहली को स्वदेश में 4,000 वनडे रन पूरे करने के लिये भी 170 रन की दरकार है। अगर वह इस मुकाम पर पहुंचते हैं तो तेंदुलकर (6976) और धोनी (4216) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। दुनिया में अब तक केवल नौ बल्लेबाजों ने अपनी घरेलू सरजमीं पर 4,000 से अधिक रन बनाये हैं। कोहली ने 2018 में अब तक 749 रन बनाये हैं और वह छठी बार एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 से अधिक रन बनाने की कोशिश करेंगे।

शार्दुल ठाकुर की जगह उमेश यादव भारतीय वनडे टीम में शामिल

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट में दस विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज उमेश यादव को चोटिल शार्दुल ठाकुर के स्थान पर कैरेबियाई टीम के साथ होने वाले पहले दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिये भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने मंगलवार को जारी बयान में कहा, 'अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों के लिये शार्दुल ठाकुर की जगह उमेश यादव को टीम में रखा है। ठाकुर मांसपेशियों के कारण वनडे श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे।'

शार्दुल को हैदराबाद टेस्ट मैच में पदार्पण का मौका मिला था लेकिन केवल दस गेंद करने के बाद मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। उमेश ने इस मैच में दस विकेट लिये थे और घरेलू धरती पर यह कारनामा करने वाले वह केवल तीसरे तेज गेंदबाज हैं। पहले दो

वनडे के लिये भारतीय टीम इस प्रकार है:

विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा (उप कप्तान), शिखर धवन, केएल राहुल, अंबाती रायुडु, मनीष पांडे, महेंद्र सिंह धोनी (विकेटकीपर), ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, खलील अहमद और उमेश यादव।

नाथन लियोन ने पाक को चटाई धूल, 6 गेंदों पर चटकाए 4 विकेट

अबुधाबी। ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने छह गेंद के अंदर चार विकेट लिये जिससे आस्ट्रेलिया ने दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन मंगलवार को लंच तक पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 77 रन कर दिया। लियोन ने अपने चौथे ओवर में अजहर अली (15) को अपनी ही गेंद पर कैच किया और अगली गेंद पर हारिस सोहेल (शून्य) को ट्रेविस हेड के हाथों कैच कराया।

अगले ओवर में लियोन ने असद शाफिक को शार्ट लेग पर कैच कराने के बाद बाबर आजम को बोल्ड किया। ये दोनों बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाये। लंच के समय फखर जमां 49 और कप्तान सरफराज अहमद चार रन पर खेल रहे थे। लियोन ने अब तक सात ओवरों में 12 रन देकर चार विकेट लिये हैं। पाकिस्तान के टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने तीसरे ओवर में ही मोहम्मद हफीज (चार) को आउट किया जिनका कैच शार्ट लेग पर मार्नस लाहबूशेन ने मशक्कत करने के बाद लिया।

साइना दूसरे दौर में, सिंधू डेनमार्क ओपन के पहले दौर में हारी

ओडेंसे (डेनमार्क)। साइना नेहवाल को डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के शुरूआती मैच में जीत दर्ज करने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा जबकि पीवी सिंधू पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गई। साइना ने हांगकांग की एंगान यि चियुंग को 20-22, 21-17, 24-22 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू अमेरिका की बेइवान झांग से 17-21, 21-16, 18-21 से हार गई। साइना ने 81 मिनट तक चले मुकाबले में चियुंग से मिली कड़ी चुनौती का डटकर सामना किया। दोनों की आखिरी बार टक्कर 2016 में हुई थी जिसमें साइना हार गई थी। तीनों गेम कांटे के रहे और एक एक अंक के लिए दोनों खिलाड़ियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। साइना ने आखिरी गेम में लय बरकरार रखकर बाजी मारी। वहीं सिंधू को 56 मिनट तक चले मैच में 17-21, 21-16, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। यहां लगातार तीसरा अवसर है जबकि सिंधू को झांग से हार झेलनी पड़ी। अमेरिकी शटलर ने इस साल फरवरी में इंडियन ओपन के फाइनल में भी सिंधू को हराया था। रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिंधू जकार्ता एशियाई खेलों में रजत पदक हासिल करने के बाद मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। वे जापान ओपन में भी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी जहां उन्हें गाओ फैंगजी ने हराया। यही नहीं चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में उन्हें चीन की चेन युफेई से हार झेलनी पड़ी थी।

वेस्टइंडीज के कोच स्टुअर्ट लॉ को 2 एकदिवसीय मैचों से किया गया निलंबित

हैदराबाद (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज के कोच स्टुअर्ट लॉ को मैच अधिकारियों के लिये 'अनुचित टिप्पणी' करने के कारण भारत के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों से निलंबित कर दिया गया। आईसीसी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि लॉ पर मैच शुल्क का शत प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। इस नये उल्लंघन के कारण लॉ के खाते में पिछले 24 महीनों में कुल चार अयोग्यता अंक (डिमैरिट प्वाइंट) जुड़ गये और इस वजह से उन्हें भारत के खिलाफ गुवाहाटी और विशाखापट्टनम में क्रमशः 21 और 24 अक्टूबर को होने वाले मैचों से निलंबित कर दिया गया।

जिस घटना के कारण यह कार्रवाई की गयी

वह हैदराबाद में दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन घटी थी। आईसीसी ने कहा कि सलामी बल्लेबाज कीरन पावेल के आउट होने के बाद लॉ टीवी अंपायर के कमरे में गये और वहां उन्होंने अनुचित टिप्पणियां की। इसमें कहा गया है, 'इसके बाद वह चौथे अंपायर के करीब गये और उन्होंने खिलाड़ियों की मौजूदगी में उनके लिये अनुचित टिप्पणियां की।'

लॉ को आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2-7 के लेवल दो के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। यह खिलाड़ी, खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ, मैच अधिकारियों या किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग ले रही टीम की 'सार्वजनिक आलोचना' या 'अनुचित टिप्पणी' करने से जुड़ा है। इससे पहले 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ डोमिनिका टेस्ट के आखिरी दिन लॉ पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगा था और उन्हें एक अयोग्यता अंक मिला था। मैदानी अंपायर ब्रूस ऑक्सेनफोर्ड और इयान गाउल्ड, तीसरे अंपायर नाइजल लोंग और चौथे अंपायर नितिन मेनन ने उन पर आरोप लगाये थे।

महान श्रीलंकाई बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने कहा, हमेशा सच्चाई का साथ दिया है

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के महान बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने आईसीसी के भ्रष्टाचार मामले की जांच में साथ नहीं देने के आरोपों को खारिज करते हुए मंगलवार को यहां कहा कि उन्होंने खुद को हमेशा सच्चाई और पारदर्शिता के साथ पेश किया है। आईसीसी ने जयसूर्या पर भ्रष्टाचार निरोधक संहिता को तोड़ने के दो मामले दर्ज किये है जिसमें उन पर जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप है। इस मामले में उन्हें दो सप्ताह के अंदर जवाब देने के लिए कहा गया है। उन पर हालांकि भ्रष्टाचार में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप नहीं लगा है।

जयसूर्या ने एक बयान में कहा, ''मेरे पास इस मामले में जवाब देने के लिए 14 दिन का समय हैं। मुझे कानूनी तौर पर सलाह दी गयी है कि मैं इस मामले में कोई भी प्रतिक्रिया ना करूं क्योंकि उससे आईसीसी के नियमों का उल्लंघन होगा।'' श्रीलंका के मुख्य चयनकर्ता रह चुके 49 साल के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, '' मैं हालांकि यह बता सकता हूं कि मुझ पर जो आरोप लगे है वह मैच फिक्सिंग, पिच फिक्सिंग या ऐसी किसी अन्य गतिविधियों से जुड़ी नहीं है।'' उन्होंने कहा, '' खेल से जुड़े मामलो में मैंने हमेशा सच्चाई और पारदर्शिता से पेश आया हूं और आगे भी ऐसा ही करता रहूंगा।'' आईसीसी ने भी अपने आरोप में यह साफ नहीं किया कि श्रीलंका को विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने और अपने देश के लिए 445 एकदिवसीय तथा 110 टेस्ट मैचों में प्रतिनिधित्व करने वाले इस खिलाड़ी पर क्या आरोप है। श्रीलंका क्रिकेट से जुड़े एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, '' जयसूर्या पर 2015 में आईसीसी की एक जांच को 'रोकने की कोशिश' का आरोप है।'' इस मामले की जांच में गॉल मैदान के क्यूरेटर जयानंदा वर्णवीरा को 2016 में आईसीसी ने भष्टाचार रोधी इकाई से सहयोग नहीं करने के आरोप में तीन साल के लिए निलंबित कर दिया था।

सूत्र ने बताया कि आईसीसी ने इस मामले में जब जयसूर्या से संपर्क किया तो उन्होंने पूरी तरह से जांच में सहयोग नहीं किया।।ईएसपीनक्रिकइंफो के मुताबिक,2017 में श्रीलंका का घरेलू श्रृंखला में जिम्बाब्वे के साथ हुआ मुकाबला संदेह के घेरे में है जिसे श्रीलंका हार गया था। क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद जयसूर्या ने राजनीति में भी हाथ

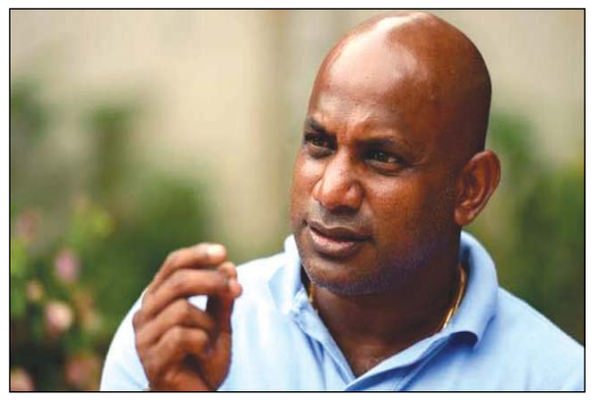

आजमाया और संसद के लिए चुने जाने के बाद मंत्री भी बने। वह 2013 में श्रीलंका क्रिकेट के चयन समिति के अध्यक्ष भी बने लेकिन 2015 में टीम की असफलता के बाद उनका कार्यकाल खत्म हो गया।

एसी में धमाके के बाद लगी आग, कई उपकरण नष्ट

सूरत। शहर के नए सिविल अस्पताल में आईसोलेशन वार्ड स्थित डायालिसिस विभाग के एयरकंडीशन में धमाके के बाद आग भड़क उठी। वार्ड बंद होने की वजह से कोई जानहानि नहीं हुई, लेकिन कई उपकरण आग में नष्ट हो गए। फायर विभाग के जवानों ने 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

जानकारी के मुताबिक सूरत के नए सिविल अस्पताल में जी-0 के आईसोलेशन वार्ड स्थित डायालिसिस विभाग में देर रात अचानक एयरकंडीशन में धमाका हुआ। धमाके के बाद शोर्टसर्किट की वजह से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल स्वरूप धारण कर लिया। वार्ड बंद होने के कारण कोई जानहानि हुई, परंतु पूरा वार्ड धुएं से भर गया। पूरा वार्ड धुएं से भरा हुआ था, जिससे फायर विभाग की टीम बीओ सेट पहनकर भीतर घुसी और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग की इस घटना में दो एयरकंडीशन, दो डायालिसिस मशीन और एक वेन्टीलेटर नष्ट होने की खबर है। हांलाकि नुकसान का पता जांच के बाद ही चलेगा।

जरी के कारखानेदार को मारपीट कर लूटा

सूरत। शहर के उधना मगदल्ला रोड अंबिका इण्डस्ट्रीज में स्थित जरी के खाते में सप्ताह पहले रिक्शा में आए अज्ञात ने खाते के मालिक के साथ मारपीट कर नगद 8 हजार , 30 हजार का मोबाइल तथा एटीएम कार्ड लूट कर फरार हो गए।

खटोदरा पुलिस सूत्रों के अनुसार बमरोली रोड साईं दर्शन सोसायटी निवासी मेहुल हेमंतकुमार लेखडिया उधना मगदल्ला रोड नवजीवन सर्कल नानी अंबिका इण्डस्ट्रीज में जरी का कारखाना चलाते हैं। मेहुल गत 8 अक्टूबर को सुबह 11 बजे खाते में अपनी ऑफिस में बैठा था तभी ऑटो में आए चार अज्ञातों ने ऑफिस में पहुंचकर मेहुल को लातघूंसों से मारपीट कर 30 हजार रूपए की कीमत की मोबाइल, नगद 8 हजार और बैंक के एटीएम कार्ड लूट लिया और फरार हो गए। मेहुल कुमार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

खेलने के घर से बाहर निकली साढे तीन साल की बच्ची की दुष्कृत्य के बाद हत्या

सूरत। खेलने निकली साढ़े 3 साल की मासूम के साथ 20 साल के एक दरिंदे ने बहुत ही बुरा सलूक किया। मासूम के शव का पोस्टमार्टम करने पर उसके साथ ज्यादती होने की पुष्टि हुई है। आरोपी मासूम के पिता के साथ ही काम करता था और पड़ोस में ही रहता था।

मासूम की मां का कहना है कि खून का बदला खून होना चाहिए। मुझे वह हैवान की जान चाहिए। यहां लिंबायत के गोडादरा इलाके में शनिवार की रात करीब 8 बजे साढ़े तीन साल की मासूम खेलने गई थी, जहां से वह गायब हो गई। उसका शव 20 घंटे बाद सोमवार की शाम चार बजे मिला। जहां बच्ची रहती थी, वहीं नीचे के कमरे में प्लास्टिक की थैली में पेक की हुई उसकी लाश मिली।

वहीं रहने वाला अनिल यादव फरार: इसी मकान की पहली मंजिल पर रहने वाले परिवार की यह बच्ची रविवार शाम 8 बजे से लापता थी। हत्या का शक ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाले अनिल यादव नाम के युवक पर जताया जा रहा है। वह आधी रात के बाद से घर पर ताला लगाकर लापता हो गया है। डाइंग पेंटिंग करने वाला संदिग्ध युवक एक साथी के साथ तीन महीने से यहां किराये पर रहा था। साथी कई दिनों से गांव गया हुआ है। बच्ची का परिवार 15-20 दिन पहले ही यहां रहने आया था। किराए पर कमरा देने का विरोध हुआ था: पड़ोसी और मोहल्ले वाले शुरू से ही इस संदिग्ध युवक को किराये से कमरा देने का विरोध कर रहे थे। इस बात को लेकर मकान मालिक श्यामनारायण पांडेय उर्फ छन्नू से पड़ोसियों की कहासुनी भी हो गई थी। बच्ची की मां ने पुलिस को बताया कि रविवार की शाम 7:30 बजे उसकी बेटी ने बाजार से कुछ खाने के लिए पिता से 5 रुपए मांगे थे। रात 8 बजे बच्ची घर से निकली। एक घंटे तक नहीं लौटने पर चिंता हुई। बदहवास मां को देखकर पड़ोस के लोग इकठ्ठे हो गए और पुलिस को बुलाया। रात 10:30 बजे पुलिस ने मामला दर्ज कर बच्ची की तलाश शुरू कर दी। सीसीटीवी में बाहर जाते नहीं दिखी, तब हुआ बिल्डिंग में ही होने का शक: 100 पुलिसकर्मियों की 21 टीमों ने 130 घरों की तलाशी ली। रविवार रात से ही 100 पुलिसकर्मियों की 21 टीमें बच्ची की तलाश में जुटी हुई थी। हर टीम में एक पीएसआई और 10 पुलिस कांस्टेबल शामिल थे। एफएसएल, डॉग स्क्वॉड, डीसीबी, एसओजी और क्राइम ब्रांच तसीश में जुटी रही। लगभग 10 से ज्यादा सीसीटीवी तलाशने के बाद भी बच्ची सोसाइटी से बाहर जाती नहीं दिखी तो पुलिस ने आसपास के 130 घरों की तलाशी ली। सोमवार शाम 4 बजे इस दौरान उसी मकान के ग्राउंड फ्लोर वाले बंद कमरे पर शक गया। वहीं अंदर में शव मिला। सरकार साढ़े 4 लाख और सांसद देंगे 50 हजार रुपए: सांसद सीआर पाटिल ने बच्ची के माता-पिता और स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि आरोपी को दो दिनों में पकड़ लिया जाएगा। कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाएगी। सांसद ने पीड़ित परिवार को अपनी ओर से 50 हजार और सरकार की तरफ से 4.50 लाख रुपए देने का आश्वासन दिया। रात को मां और पुलिस भी यहां आए थे, लेकिन शक नहीं हुआ : रविवार रात करीब 10 बजे बच्ची को ढूंढने के दौरान उसकी मां इस किरायेदार के यहां भी आई थी, लेकिन युवक को अर्धनग्न हालत में खड़ा देख वापस लौट गई। वहीं, रात 12.15 बजे पिता भी उसी किरायेदार के कमरे के पास पहुंचे, उस वक्त आरोपी लेटा हुआ था। पुलिस भी वहां पहुंची, लेकिन शव ड्रम में पड़ा होने से किसी की नजर नहीं गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दुष्कर्म के बाद बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी गई।

नवरात्रि के तहत शहर के ऐतिहासिक भद्रकाली मंदिर के चौक में सिर पर छेद वाले मटके रखकर भक्तों ने गरबा किया।

फाफडा-जलेबी में १० से १५ फीसदी की वृद्धि

दशहरा पर करोड़ों रुपयों के फाफडा-जलेबी खायेंगे

फाफडा की कीमत ३४० से ४०० रुपये और शुद्ध घी की जलेबी का ६०० रुपये से लेकर १००० रुपये की कीमत

अहमदाबाद। अहमदाबाद सहित राज्यभर में शुक्रवार को दशहरा की आस्था-उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। रावणदहन, रामलीला सहित के भव्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे लेकिन यह धार्मिक उत्सव के बीच भी स्वाद के शोखिन दशहरा के दिन फाफडा-जलेबी की परंपरागत खाकर भारी उत्साह के साथ मनाये जाएंगे। शहर में फरसान की दुकानवाले फाफडा-जलेबी की बिक्री के लिए विशेष काउन्टर और स्टोल बनाये गये है क्योंकि, दशहरा फाफडा-जलेबी खरीदने के लिए लोगों की लंबी लाइन लग जाएगी। शहर की जनता के लिए फाफडा-जलेबी बिना दशहरा का त्यौहार अधुरा माना जाता है। एक अनुमान के अनुसार, शहर की जनता बुधवार रात से शुक्रवार के दौरान करीब १७ करोड़ रुपये से ज्यादा के फाफडा-जलेबी खायेंगे। इस वर्ष में फाफडा-जलेबी में १० से १५ फीसदी की कीमत वृद्धि देखने को मिली है, फिर भी कीमत वृद्धि की चिन्ता किए बिना शहरीजन फाफडा-जलेबी और चोलाफली खायेंगे। अहमदाबाद में बुधवार रात से ही फाफडा -जलेबी -चोलाफली की खरीदी में कीमत वृद्धि देखने को मिलेगी। यह लाभ लेने के लिए फरसाण के व्यापारियों ने सामान्य दिनों की तुलना में फाफडा-जलेबी की कीमत में भी वृद्धि कर दिया है। दशहरा को लेकर फाफडा की कीमत ३४० से ४०० रुपये और शुद्ध घी की जलेबी का ६०० रुपये से लेकर १००० रुपये की कीमत रही है। शहर की प्रसिद्ध कई फरसाण की दुकान में प्रतिकिग्रा फाफडा की ६५० रुपये और जलेबी की ७५० कीमत रखी गई है, जो सामान्य दिनों की तुलना में ३० फीसदी ज्यादा है। इसके अलावा चोलाफली की कीमत औसत ४५० रुपये रही है। मुख्य रुप से फरसाण में ० फीसदी टैक्स था, जो बढ़कर १२ फीसदी हो जाने से फरसाण महंगा हो गया है, इसके साथ डीजल और मजदूरी की कीमत बढ़ने पर यह कीमत वृद्धि दर्ज की गई है। दशहरा त्यौहार को अब कुछ ही दिन बाकी है।

शिक्षा बोर्ड द्वारा नियम को और सख्त बनाया गया

८०% से कम उपस्थिति होगी तो परीक्षा में नहीं बैठ सकते

गांधीनगर। शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाती कक्षा-१० और १२ की बोर्ड की परीक्षा में ६५ फीसदी से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थी परीक्षा नहीं दे सके यह नियम को अब शिक्षा बोर्ड ने और सख्त बनाया है। अब से आगामी मार्च २०१९ में ली जानेवाली बोर्ड की परीक्षा में कक्षा-१० और १२ के विद्यार्थियों की उपस्थिति स्कूल में ८० फीसदी अनिवार्य की गई है। इससे कम उपस्थिति वाले विद्यार्थी अब बोर्ड की परीक्षा नहीं दे सकेंगे। हालांकि शिक्षा बोर्ड ने उपस्थिति के नियम को और सख्त बनाने पर विद्यार्थियों और अभिभावकों में नाराजगी फैल गई है। विद्यार्थी और अभिभावकों में बोर्ड के इस निर्णय को आसान करने की मांग उठ रही है। बोर्ड परीक्षा में उपस्थित रहने के उपस्थिति के नियमों में इस वर्ष से बदलाव किया गया है। विद्यार्थियों की अनिवार्य ८० फीसदी उपस्थिति हो तो ही परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। अभी तक विद्यार्थियों की ६५ फीसदी उपस्थिति हो तो भी परीक्षा दे सकते थे ऐसे मामलों में बोर्ड द्वारा विद्यार्थियों को रेग्युलर विद्यार्थी के तौर पर नहीं, लेकिन निजी विद्यार्थी के तौर पर परीक्षा में बैठने के लिए दिया जाता था हालांकि योग्य कारण से १५ फीसदी छूट दी जाएगी। ८० फीसदी उपस्थिति के लिए सत्र के पहले दिन या तो १५ जून पहले आती हो वहां से लेकर १५ फरवरी तक के दिनों की गिनती की जाएगी। निजी विद्यार्थी यह नियम का गलत तरीके से लाभ लेकर स्कूल अच्छे परिणाम लेने के लिए कमजोर विद्यार्थियों को निजी विद्यार्थियों के तौर पर बताते होने की कई शिकायतें बोर्ड के ध्यान में आयी थी। इसी वजह से अब कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को निजी के तौर पर नहीं माना जाएगा। हालांकि कोई गंभीर बीमारी की परिस्थिति में छुट्टी ली होगी तो ऐसी परिस्थिति में स्कूलों को एफिडेविट करके बोर्ड के समक्ष साबित करना पड़ेगा। इसमें १५ फीसदी कम उपस्थिति हो तो ऐसी परिस्थिति में स्कूल द्वारा योग्य कारण के साथ बोर्ड में पेशकश किया जाए चेयरमैन द्वारा स्पेशियल मंजूरी से इसे मंजूर माना जाएगा।

रिक्शा से युवक का मोबाइल चोरी

सूरत। शहर के वराछा पुरानी बॉ बे मार्केट से नई बॉ बे मार्केट की तरफ जा रहे रास्ते में ऑटो चालक गिरोह द्वारा यात्रियों को आगे-पीछे खिसकने का कहकर नजर बचाकर जेब से मोबाइल चोरी कर लिया। पुलिस की जानकारी के अनुसार लिंबायत खानपुरा में रहनेवाले जीतु भागवत पाटील सोमवार को सुबह ऑटो में बैठकर पुरानी बॉ बे मार्केट से नई बॉ बे मार्केट की तरफ जा रहे थे। वहीं ऑटो में पहले से बैठे अज्ञातों ने आगे-पीछे खिसककर बैठने का कहकर नजर बचाकर जेब से मोबाइल चोरी कर लिया। पुलिस ने रिक्शा चालक गिरोह के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

चांदलोडिया ओवरब्रिज नीचे दबंगों के अतिक्रमण से आतंक

अहमदाबाद। एएमसी प्रशासन द्वारा शहर के टीपी रास्ते पर अतिक्रमण को हटाने के लिए लंबे समय से व्यापक अभियान चल रहा है। इसके कारण रास्ते खुले होने से नागरिक की इसकी प्रशंसा कर रहे हैं, लेकिन शहर में अतिक्रमण की समस्या प्रतिदिन गंभीर बनती जा रही है। शहर के चांदलोडिया ओवरब्रिज के नीचे दबंगों के अतिक्रमण के कारण स्थानीय निवासी काफी परेशान हो चुके है। स्थानीय निवासियों ने यह पूरे मामले में विधायक अरविंद पटेल के समक्ष पेशकश की है।

शहर के आंबावाडी क्षेत्र की घटना से सनसनी

फाइनेंसर की ऑफिस से दस लाख भरी तिजोरी उठाकर फरार

तिजोरी में भारतीय मुद्रा-विदेशी मुद्रा मिलाकर १० लाख नकद, पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार जांच शूरू

अहमदाबाद। शहर के आंबावाडी क्षेत्र में स्थित फाइनेंसर की ऑफिस में चोरों ने घुसकर भारतीय मुद्रा और विदेशी मुद्रा से भरी तिजोरी उठाकर फरार होने की घटना सामने आने पर पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। घटना की जानकारी मिलने पर फाइनेंसर ने एलिसब्रिज पुलिस को जानकारी देने पर पुलिस का काफिला तुरंत घटना स्थल पर पहुंच गये और पूरे मामले में जरूरी अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने विशेष तो, सीसीटीवी फूटेज के आधार पर जांच शुरू की। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, शहर के आंबावाडी क्षेत्र में स्थित तपोवन सोसाइटी में रहते जिज्ञेशभाई शाह श्यामल कॉम्प्लेकस में अंबुजा क्रेडिट और लीज नाम से फाइनेंस की ऑफिस है। दो दिन पहले जिज्ञेशभाई की ऑफिस बंद थी। दूसरे दिन सुबह में अपनी ऑफिस में काम करते धीरेनभाई ने फोन करके जिज्ञेशभाई को जानकारी दी थी कि ऑफिस का मुख्य दरवाजा खुला है और चोरी हुई हो ऐसा लग रहा है, जिसकी वजह से जिज्ञेशभाई उनके भाई के साथ तुरंत ऑफिस पर पहुंच गये। अंदर जाकर जांच करने पर अलग-अलग कैबिन में बनाई गई लकड़ी की कबाट के ड्रोअर खुले थे। ऑफिस की मुख्य कैबिन में जांच करने पर एक लोहा-पतरा की तिजोरी गायब थी। इस तिजोरी में भारतीय मुद्रा २.३० लाख रुपये, ४२८० अमेरिक डॉलर, १२०० ब्रिटिश पाउन्ड, ४७४० कनाडा मुद्रा, ७०० ऑस्ट्रेलियन डॉलर, २०२ मलेशियन करन्सी, १०५०० रूखल, १ कुवैत और कतार की मुद्रा, २५७० साउथ आफ्रिकन मुद्रा, २६०० मोरेशियश मुद्रा, १९ चाइनीज मुद्रा और २४ सिंगापोर मुद्रा मिलाकर कुल भारतीय मुद्रा के अनुसार १० लाख की कीमत की मालसामान था। ऑफिस में लगे हुए सीसीटीवी फूटेज देखने पर रात में ९.३० से १० बजे के बीच मुंह में रुमाल बांधे दो शख्सों ने ऑफिस में घुसकर और चोरी करते हुए दिखाई दे रहे थे। एलिसब्रिज पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार पर जांच शुरू की।

थप्पड़ मारकर सोने की चेइन लूटकर फरार हो गए

अहमदाबाद। शहर में चेइन स्नेचिंग की घटना लगातार बढ़ रही है। धूम स्टाइल से बाइक पर आये शख्सों ने महिला-पुरूष के गले में से चेइन स्नेचिंग करके फरार हो जाते है, फिर भी शहर पुलिस चेइन स्नेचरों को गिरफ्तार करने में विफल रही है। गत दिन नरोडा से नोबलनगर की तरफ एक्टिवा पर जा रहे एक व्यापारी को बाइक पर आये दो शख्सों ने थप्पड़ मारकर ६० हजार रुपये की कीमत की सोने की चेइन लूटकर फरार हो जाने से सनसनी मच गई। शहर के सरदारनगर क्षेत्र में स्थित कृष्णधाम सोसाइटी में रहते और इलास्टिक का व्यापार करते ५९ वर्षीय इन्द्रलाल आहुजा ने सरदारनगर पुलिस स्टेशन में लूट की शिकायत की है।

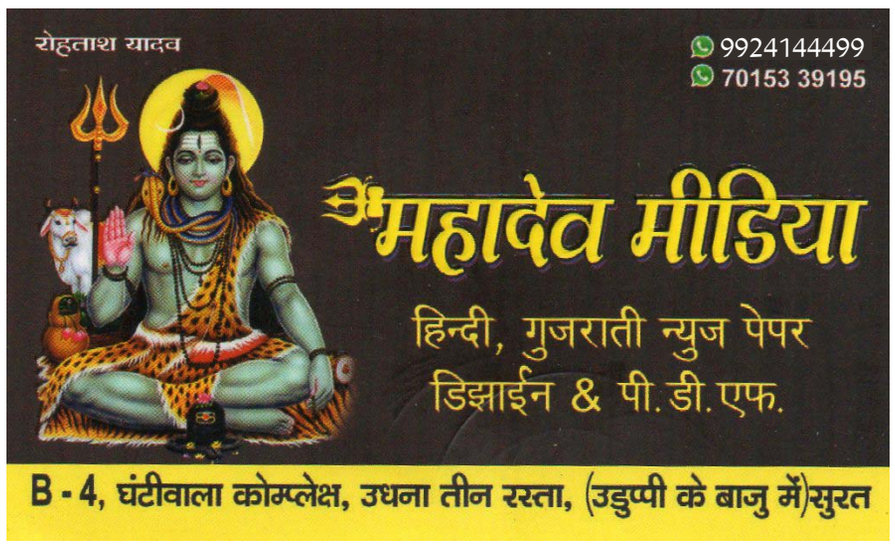

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com